भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 11 अंक 12

दिसम्बर 2019

अनुक्रमणिका

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	01
परामर्शी	03
वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला	03
कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
समझौता ज्ञापन	07
प्रकृति कार्यक्रम	08
वन विज्ञान केन्द्रों के अंतर्गत क्रियाकलाप	08
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	09
राजभाषा समाचार	09
विविध	09
मानव संसाधन समाचार	09

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- कृषकों द्वारा उगाई गई सुरभित फसलों से संगध तेलों के निष्कर्षण के लिए ग्राम पसोली, ग्राम पंचायत विकासनगर, देहरादून में कृषकों के खेतों में एक 'सगंध तेल क्षेत्र आसवन इकाई' प्रतिष्ठापित की गई।
- ब्राउन रॉट (*ओलिगोपोरस प्लासेण्टा*) तथा व्हाइट रॉट (*पायक्नोपोरस सैनगिनीएस*) कवक के विरूद्ध *पाइनस रोक्सबर्घाई* के संधि काष्ठ से पृथक किए गए जल निष्कर्ष की पात्रे जाँच ने मध्यम कवक विषाक्तता प्रदर्शित की।
- *मैन्जीफेरा इण्डिका, यूकेलिप्टस टेर्टिकोर्निस, ई. सिट्रिओडोरा* तथा *मीलिया डुबिया* के संधि काष्ठ से पृथक हैक्सेन निष्कर्षों में कुल फिनोलिक मात्रा (टी.पी.सी.) का निर्धारण इन निष्कर्षों में फिनोलिक घटकों के लक्षण–वर्णन हेतु किया गया।
- उत्तराखण्ड के देहरादून जिले में विभिन्न वानिकी वृक्षोंः *डलबर्जिया सिस्सु, कैसिया फिस्टुला, पोपलस* प्रजा. तथा *टैक्टोना ग्रैण्डिस* से लेपीडोप्टेरस लार्वा/कोकुन : *हायपोसिड्रा* प्रजा., *कैटोप्सिला पोमोना, यूटैक्टोना मैचिरैलिस* तथा कुछ अभिज्ञ लार्वा के दस नमूने उनके प्रयोगशाला पालन के लिए एकत्रित किए गए, जोकि *एपेनटेलस* प्रजा. के उद्भव हेतु जारी रहा। *एपेनटेलस* के 14 प्रतिदर्शों को कार्ड्स पर आरूढ़ किया गया, *एपेनटेलस* प्रजा. का छायाचित्रण तथा प्रजाति अभिज्ञान प्रगति में हैं।
- दौरा किया गया तथा सोनीपत, पानीपत, करनाल, कैथल तथा कुरूक्षेत्र (हरियाणा) में विभिन्न वानिकी वृक्षों : *एकेशिया* प्रजा., *कैसिया फिस्टुला, डेलोनिक्स रेजिया, हैल्दीना कॉर्डिफोलिआ, सैण्टालम एल्बम* तथा *शोरिया रोबस्टा* कीटों के पचास स्वीपिंग नमूने तथा सत्ताइस कीट अण्ड एकत्रित किए गए। *होलोप्टिला इण्टीग्रेफोलिया* पर बग अण्डों से एक अण्ड परजीव्याभ; *यूप्लेमस* प्रजा, यूप्लीमिडि कुल का उद्भव हुआ। पन्द्रह स्वीपिंग नमूनों को छांटा गया तथा स्वीपिंग नमूनों से बारह अण्ड परजीव्याभों की पुनःप्राप्ति की गई।
- शरद/शीत ऋतु के दौरान तीन स्थलों राजाजी राष्ट्रीय उद्यान झिलमिल झील संरक्षण रिजर्व तथा टोंस घाटी वन, देहरादून, उत्तराखण्ड में क्षेत्र सर्वेक्षण किया गया। वन उप–प्रकार में तीन ट्रान्जैक्टों 3C/C2a नम शिवालिक साल वनों तथा 5B/C2 उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वनों में नमूना एकत्रण किया गया। कुल

31 प्रजातियों के नमूने लिए गए। लार्वल मेजबान पादपों पर आंकड़ा संचय को अद्यतनीकृत किया गया।

- देववन आरक्षित वन, चकराता से विगत में लाए गए सिरामबिसिड वेधक *जायलोट्रेकस बेसिफ्यूलीजिनोसिस* का खरसु ओक के कुन्दों पर तथा देहरादून जिले के थानो रेंज में देवली गाँव से लाए गए सिरामबिसिड वेधक *एफ्रोडिसियम हार्डविकिएनम* के जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला में प्रयोग जारी थे। पश्चिमी हिमालय ओक पर आक्रमण करते कीटों पर आंकड़ा–संचय को कोलियोप्टेरा पर 6 और प्रजातियों पर सूचना संकलित तथा अद्यतनीकृत कर अद्यतन किया गया। क्षेत्र से लाए गए लेपीडोप्टेरा (लायमैनट्रिडी तथा टोर्टिसिडि) की 2 प्रजातियों पर प्रयोगशाला में उनके जीवन इतिहास अध्ययनों हेतु प्रयोग किए गए।
- लगभग 645 छायाचित्रों के साथ 91 प्रकारों को डिजीटलीकृत किया गया। 142 प्रजातियों के लगभग 1300 छायाचित्रों को संपादित किया गया तथा उन्हें Tiff, Jpeg तथा compressed प्रारूपों में भण्डारित किया गया। दराज 129–137 में 2177 प्रजातियों के नामों को सत्यापित किया गया।
- ग्राफ पेपर गणना विधि द्वारा पोपलर के 10 विभिन्न कृन्तकों में कीट द्वारा पर्ण क्षेत्र भक्षण का मापन किया गया। पोपलर के 20 विभिन्न कृन्तकों का पर्ण नमूना निष्कर्षण किया गया। पोपलर के विभिन्न नाशी कीटों के एकत्रण तथा पोपलर के क्षेत्रों के अवलोकन के लिए टिहरी (गढ़वाल) का एक क्षेत्र दौरा किया गया।
- वन अनुसंधान संस्थान परिसर में स्वीपिंग नेट के माध्यम से कुछ अभिज्ञ टैरोमैलिड बर्रों का क्षेत्र अवलोकन तथा एकत्रण किया गया। देहरादून से टैरोमैलिड्स के बीस नमूने एकत्रित किए गए। ओक के अर्बुद पर्णों का एकत्रण तथा उनका प्रयोगशाला में पालन किया गया। टैरोमैलिड मादा बर्रों (अभिज्ञ) को प्राप्त किया गया।
- पंजाब में खैर वनों, मिश्रित वनों, कृषि भूमि उपयोगों तथा निम्नीकृत क्षेत्रों से एकत्रित नमूनों से 72 बैक्टीरियल पृथकों को पृथक किया गया, 72 पृथकों में से 26 ग्राम पॉजीटिव तथा 46 ग्राम निगेटिव थे। 8 पृथकों ने पिकोवस्कया के माध्यम में फॉस्फोरस का विलेयीकरण नहीं किया। IAA उत्पादन हेतु 23 पृथक पॉजीटिव परीक्षित नहीं किए गए।
- सभी स्थलों से खरीफ की फसल के उपज आंकड़े लिए गए तथा संकलन प्रगति में है। सभी स्थलों में उपलब्ध फॉस्फोरस मध्यम श्रेणियों में पाया गया। उपलब्ध नाइट्रोजन तथा पोटैशियम फतेहपुर पेलिओ तथा कोदापुर के स्थलों की तुलना धालुवाला में निम्न श्रेणी में पाए गए। फतेहपुर पेलिओ, धालुवाला मजबाटा तथा कोदापुर के सभी स्थलों में रबी की फसल की बुवाई की गई है। उपर्युक्त स्थलों में *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण प्रगति में है। धालुवाला मजबाटा स्थलों में वन्य जानवरों यथा हाथी तथा नील–गाय द्वारा *जी. आर्बोरिया* तथा *ई. ऑफिसिनेलिस* में क्षति भी प्रेक्षित की गई।
- मृदा नमूनों का विश्लेषण प्रगति में है। दोनों स्थलों में कदंब, भीमल तथा कचनार से उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है। उपर्युक्त दोनों स्थलों पर कचनार, भीमल तथा कदंब की रोपणियों का अनुरक्षण तथा अनुश्रवण किया गया। वन्य जानवरों यथा हाथी तथा नील–गाय द्वारा कचनार, भीमल तथा कदंब रोपणियों में क्षति भी प्रेक्षित की गई।
- तीन विभिन्न वृक्षों को तीन विभिन्न तरीकों यथा 25%, 50% तथा 75% में शाखा–कर्तन हेतु चिह्नित किया गया। कालसी, आम गाँव कण्डी (यमकेश्वर खण्ड) तथा वालना (रानीखेत खण्ड) में तीन विभिन्न स्थलों पर 100% शाखा–कर्तन हेतु आठ विभिन्न वृक्षों का चयन किया गया। द्वाराहाट खण्ड में तीन विभिन्न ग्रामों (बिन्ता, भटोरा तथा अलमिया) में भीमल की वृक्ष आबादी के संबंध में सर्वेक्षण सफलता पूर्वक किया गया। *जी. आप्टिवा* से विभिन्न नमूने लेकर सेपोनिन निर्धारण की प्रारम्भ की गई प्रक्रिया प्रगति में है। *जी. ऑप्टिवा* से पर्यावरण हितैषी विधि के विकास के लिए कवक यथा *एसपेरगिल्लयस नाइजर* का प्रगति में है।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर

- केरल, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु में GC/MS/MS के माध्यम से चिह्नित बीज स्रोतों से 103 *सीमारूबा ग्लॉका* तिलहनों के वर्णलेखी (chromatography) लक्षण–वर्णन ने दर्शित किया कि 103 तेल नमूनों के मध्य 94.17% तेल ओलिक अम्ल को एक मुख्य घटक के रूप में समाविष्ट करता है। तेल का 93.20%, 69.90%, 67.96%, 36.89%, 35.92%, 7.77%, तथा 6.80% पॉमिटिक अम्ल, इकोसेनोइक अम्ल, ऑक्टाडेकानोइक अम्ल, हेप्टाडेकानोइक अम्ल, इथाइल लिनोलिएट, इथाइल ओलिएट, लिनोलिक अम्ल क्रमशः मुख्य फैटी अम्ल यौगिकों के रूप में प्राप्त होता है।
- विभिन्न सान्द्रताओं पर *एस. ग्लॉका* बीज तेल के संयोजन को ऐलेन्थस निष्पत्रक, *एलिग्मा नारसिसस* तथा सागौन निष्पत्रक, *हिब्लआ प्यूरा* के विरूद्ध परीक्षित किया गया। *ई. नारसिसस* में 1% सान्द्रता में 72 घण्टों पश्चात 100% लार्वल मर्त्यता दर्ज की गई जबकि *हिब्लआ प्यूरा* में *एस. ग्लॉका* बीज तेल की 1.5% सान्द्रता के अनुप्रयोग के 96 घण्टों पश्चात 100% मर्त्यता दर्ज की गई। *एच. प्यूरा* में, प्यूपल विसंगति देखी गई तथा विसंगत प्यूपा वयस्क बनने में विफल रहा। *एस. ग्लॉका* बीज तेल के LD50 तथा LD90 मान को ज्ञात करने के लिए प्रॉबिट विश्लेषण ने दर्शित किया कि परिणाम सभी के लिए उच्च रूप से महत्वपूर्ण थे।
- तमिलनाडु के विभिन्न कृषि जलवायु अंचलों से एकत्रित सभी चार वृक्ष नमूनों यथा *टैक्टोना ग्रैण्डिस, ऐलेन्थस एक्सेल्सा, मेलिना आर्बोरिया* तथा *टेरोकार्पस सैण्टालिनस* से कुल 94 पृथक तैयार किए गए, जिनमें से 24 पृथक सागौन से थे, 30 ऐलेन्थस से थे, 16 *रेड सैण्डर्स* से तथा 24 मेलिना वृक्षों से थे। अंतःपादप कवकों की पुष्टि *क्लाडोस्पोरियम* प्रजा., *ट्राइकोडर्मा* प्रजा. *एसपेरजिलस* प्रजा., *म्यूकोर* प्रजा., *कोल्लेटोट्रिकम* प्रजा., *करवलेरिआ* प्रजा. तथा *फ्यूजेरियम* प्रजा. के रूप में हुई, जिनमें से *क्लाडोस्पोरियम* प्रजा. तथा *करवलेरिआ* प्रजा. को ऐलेन्थस निष्पत्रक, *एलिग्मा नारसिसस* के विरूद्ध कीट रोगकारी महत्व दर्शित करते हुए पाया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- हिमाचल प्रदेश की विभिन्न भौगोलिक अवस्थितियों में ग्यारह उच्च व्यापारिक तथा उच्च मूल्यित स्थानिक शीतोष्ण औषधीय पादप प्रजातियों यथा *एकोनिटम हेट्रोफाइलम, ए. बेन्थामाइ, फ्रिटिल्लेरिआ रॉयली, जैनटिआना कुर्आ, पेरिस पॉलीफायला, पोडोफायलम हैक्सेण्ड्रम, पॉलीगोनाटम सिर्रहीफोलियम, पी. वेर्टीसिलाटम, रियूम एयूट्राले, आर. वेब्बीएनम* तथा *ट्रिल्लियम गोवेनीएनम* की वृक्ष आबादियों का आकलन किया गया। वृक्ष आबादी स्थिति के अतिरिक्त, सभी ग्यारह लक्षित औषधीय पादपों की वंश संबंधित सूचना, सामान्य नाम, वानस्पितिक विवरण, पुष्पण एवं फलन दर्ज किया गया। राज्य की विभिन्न अवस्थितियों में सभी ग्यारह लक्षित प्रजातियों के वितरण का स्वरूप संक्रामक पाया गया। इन उच्च उन्नांश औषधीय पादपों पर निरंतर बढ़ती माँग तथा भारी जैविक दबाव, आगामी वर्षों में औद्योगिक माँग की आपूर्ति के लिए वाणिज्यिक कृषि को प्रोत्साहित करने के अतिरिक्त उनके रक्षण, संवर्धन, संरक्षण तथा संवहनीय उपयोजन के उपायों की आवश्यकता है।

परामर्शी

- टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कार्पोरेशन इंडिया लि.; हिमाचल प्रदेश पावर कार्पोरेशन लि.; कर्नाटक स्टेट ऑफिशियल एथोरिटी; प.व.ज.प.मं., भारत सरकार, नई दिल्ली; कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता; एन.टी.पी.सी. लि., नोएडा; एन.एम.डी.सी.लि., हैदराबाद; सिंगरेनी कोल्लिएरिज कम्पनी लि., कोठागुडेम; छत्तीसगढ़ वन विभाग, रायपुर, वन एवं पर्यावरण विभाग, भुवनेश्वर तथा एस.ई.सी.एल., मध्य प्रदेश की खैराहा यू.जी. कोल माइन द्वारा प्रदत्त ग्यारह परामर्शी परियोजनाओं पर भा.वा.अ.शि.प. वर्तमान में कार्य कर रहा है।

वृक्ष उत्पादक मेला/किसान मेला

संस्थान	प्रतिभाग	समयावधि	स्थान
का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू	केरल बाँस उत्सव – 2019	6 से 10 दिसम्बर 2019	एर्नाकुलम, केरल
व.व.अ.सं., जोरहाट	मण्डलीय कृषक मेला	7 दिसम्बर 2019	क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, उत्तरी लखीमपुर
उ.व.अ.सं., जबलपुर	7वां अंतरराष्ट्रीय हर्बल मेला, 2019	18 से 22 दिसम्बर 2019	भोपाल
व.उ.सं., राँची	मती, कृषि, कृषि विपणन, समोबाई–ओ–प्राणी	20 से 22 दिसम्बर 2019	प्राथमिक विद्यालय देशबंधुपुरा, पाली, दयारामजोते
	19वां कृषि स्वास्थ्य ओ सार्दिक शिक्षा सचेतन मेला	22 से 24 दिसम्बर 2019	पुटसुरी ग्राम, बर्दवान, पश्चिम बंगाल
	मती, कृषि, कृषि विपणन, समोबाई–ओ–प्राणी समपद ब्लाक–ओ–महाकुमा मेला	24 से 26 दिसम्बर 2019	थिकनीकटा

माटीगाड़ा, पश्चिम बंगाल में वन उत्पादकता संस्थान का स्टॉल

19वें कृषि स्वास्थ्य ओ सार्दिक शिक्षा सचेतन मेला, बर्दवान, पश्चिम बंगाल में वन उत्पादकता संस्थान का स्टॉल

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
1.	अनुसंधान संस्थान – काष्ठ उद्योग परस्पर संवादात्मक बैठक	20 दिसम्बर 2019	–
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
2.	मिजोरम राज्य में भूमि उपयोग नियोजन में REDD+ क्रियाकलापों का एकीकरण (व.अ.के – बाँ.बे.)	17 दिसम्बर 2019	वन विभाग, कृषि, उद्यान तथा भूमि संसाधन, मृदा एवं जल संरक्षण, मिजोरम सरकार, गैर सरकारी संगठन, कृषक संगठन इत्यादि
3.	मॉग जनजातिय समुदाय के मध्य औषधीय पादपों का उपयोजन (व.अ.के.–आ.वि., अगरतला)	24 दिसम्बर 2019	मॉग जनजातिय समुदाय के व्यक्ति
4.	एन.एम.एच.एस. के अंतर्गत द्वितीय परियोजना क्रियान्वयन स्थल का चयन	27 दिसम्बर 2019	असम के कार्बी अंगलाँग जिले के ग्रामवासी
	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
5.	लूनी नदी के जीणोद्धार हेतु वानिकी हस्तक्षेपों पर प्रारूप डी.पी.आर. को अंतिम रूप दिया जाना	26 दिसम्बर 2019	वन अधिकारी, वैज्ञानिक, कृषिविज्ञ, उद्यान विशेषज्ञ तथा तकनीकी कर्मचारी

लूनी नदी के जीणोद्धार हेतु वानिकी हस्तक्षेपों पर प्रारूप डी.पी.आर. को अंतिम रूप दिये जाने पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
6.	कीट परजीव्याभों तथा परभक्षियों द्वारा नाशीकीटों का जैविक नियंत्रण	30 दिसम्बर 2019	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी तथा शोधार्थी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र. सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून			
1.	आजीविका के एक स्रोत के रूप में तितली अनुश्रवण तथा तितली समावेशित पारि–पर्यटन	3 से 4 दिसम्बर तथा 16 से 18 दिसम्बर 2019	हितधारक तथा स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विज्ञान के छात्र
2.	वन पौधशालाओं, रोपणियों तथा प्राकृतिक वनों में नाशी–कीट प्रबंधन	25 से 29 दिसम्बर 2019	भा.व.से. अधिकारी

आजीविका के एक स्रोत के रूप में तितली अनुश्रवण तथा तितली समावेशित पारि–पर्यटन पर प्रशिक्षण

वन पौधाशालाओं, रोपणियों तथा प्राकृतिक वनों में नाशी–कीट प्रबंधन पर प्रशिक्षण

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर			
3.	वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन	9 से 13 दिसम्बर 2019	विभिन्न राज्यों से भा.व.से. अधिकारी
4.	वानिकी में जैवउर्वरक तथा जैवनियंत्रण घटक	18 से 20 दिसम्बर 2019	महाविद्यालय के छात्र, शिक्षक तथा अनुसंधान अध्येता

वन आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन पर प्रशिक्षण

	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
5.	चंदन–काष्ठ : बीज हस्तन, पौधशाला तथा रोपण प्रौद्योगिकी	9 से 13 दिसम्बर 2019	कृषक तथा उद्यमी
6.	कुछ महत्वपूर्ण प्रकाष्ठों को क्षेत्र अभिज्ञान	10 से 13 दिसम्बर 2019	वानिकी महाविद्यालय के छात्र
	उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर		
7.	बाँस पौधशाला तथा प्रबंधन	2 से 7 दिसम्बर 2019	कृषक तथा छात्र
8.	मूल्य वर्धन – बाँस प्रौद्योगिकियां	16 से 21 दिसम्बर 2019	कृषक, हस्तशिल्पी तथा छात्र
9.	*एगल मार्मेलोस* (बेल) फलों का संवहनीय तुड़ान/एकत्रण तथा प्रसंस्करण	18 दिसम्बर 2019	गैर सरकारी संगठन तथा वन कर्मचारी
	हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
10.	वानिकी हस्तक्षेपों के माध्यम से सतलुज, ब्यास तथा रावी नदी के जीर्णोद्धार पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का निर्माण	3, 4, 6, 7, 9 & 11 दिसम्बर 2019	फिरोजपुर, अमृतसर, जालंधर, नवांशहर, लुधियाना, मोहाली/शिसवान रेंज के डी.एफ.ओ., सहायक वन संरक्षक, रेंज अधिकारी, वन रक्षक तथा अन्य शासकीय कर्मचारी
11.	वानिकी पद्धतियों में जैवउर्वरक तथा जैवकीटनाशकों का अनुप्रयोग	18 से 20 दिसम्बर 2019	छात्र, शिक्षक, ईको–टास्क फोर्स तथा भारतीय तिब्बत सीमा पुलिस, पंचायत, गैर सरकारी संगठनों के सदस्य इत्यादि

सतलुज नदी के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के निर्माण पर बैठक

	शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
12.	भंगुर मरूस्थलीय पारितंत्र के संवहनीय विकास के लिए एकीकृत उपागम	16 से 20 दिसम्बर 2019	विभिन्न संवर्गों से भा.व.से. अधिकारी
13.	पौधशाला तथा रोपण तकनीकी	25 दिसम्बर 2019	वन प्रशिक्षण केन्द्र, जोधपुर से वन रक्षक
	वन उत्पादकता संस्थान, राँची		
14.	महानदी नदी के डी.पी.आर. निर्माण के अंतर्गत क्षेत्र आंकड़ा एकत्रण का प्रदर्शन	2 से 5 दिसम्बर 2019	राज्य वन विभाग, गैर सरकारी संगठन, कृषि अधिकारी, हितधारक तथा पंचायत
15.	बाँस पौधशाला तथा प्रबंधन	16 से 20 दिसम्बर 2019	राज्य वन विभाग, झारखण्ड, बिहार तथा ओडिशा के कृषक तथा कर्मचारी

बाँस पौधशाला तथा प्रबंधन पर बाँस तकनीकी सहायता समूह प्रशिक्षण के अंतर्गत क्षेत्र भ्रमण

समझौता ज्ञापन

- डॉ. बिमल बोरा, प्राचार्य, जगन्नाथ बरूआ महाविद्यालय (स्वायत्त), जोरहाट तथा डॉ. आर.एस.सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट के मध्य दिनांक 27 दिसम्बर 2019 को नियमों एवं शर्तों क संस्थापन के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया जिसके अंतर्गत दोनों पक्ष आपसी संबंधों के विस्तार द्वारा शैक्षिक तथा अनुसंधान क्रियाकलापों के प्रसार के प्रयास में सम्मिलित होने के लिए सहमत हुए।
- डॉ. आर.एस.सी. जयराज, निदेशक, व.व.अ.सं., जोरहाट तथा सुश्री डिम्पी बोरा, उप मिशन निदेशक, राज्य बाँस विकास एजेंसी, असम सरकार के मध्य दिनांक 30 दिसम्बर 2019 को बाँस की गुणवक रोपण सामग्री के हस्तांतरण हेतु अनुज्ञा पत्र पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।

प्रकृति कार्यक्रम

- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय भटिंडा तथा जालंधर (पंजाब) के 106 छात्रों के दो समूहों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में दिनांक 3 और 6 दिसम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया। संस्थान तथा पर्यावरण एवं समाज के प्रति इसके योगदान के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया गया। तत्पश्चात, छात्रों को वन अनुसंधान संस्थान में वानस्पतिक बागान, बाँस वाटिका तथा विभिन्न संग्रहालयों यथा वन व्याधिकीय संग्रहालय, वन संवर्धन संग्रहालय तथा प्रकाष्ठ संग्रहालय में भी लेकर जाया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय रूड़की (उत्तराखण्ड) के 98 छात्रों के दो समूहों ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में दिनांक 20 दिसम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया। छात्रों को वन अनुसंधान संस्थान में वानस्पतिक बागान तथा विभिन्न संग्रहालयों यथा वन व्याधिकीय संग्रहालय, वन संवर्धन संग्रहालय तथा प्रकाष्ठ संग्रहालय में भी लेकर जाया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत केन्द्रीय विद्यालय रायपुर, देहरादून (उत्तराखण्ड) के 25 छात्रों के समूह ने अपने शिक्षकों के नेतृत्व में दिनांक 27 दिसम्बर 2019 को वन अनुसंधान संस्थान का दौरा किया।
- दिसम्बर 2019 माह के दौरान वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर में ''प्रकृति'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। अरासुर, तिरूपुर, कोयम्बटूर जिले के 39 शैक्षिक संस्थानों से शिक्षकों को सम्मिलित कर कक्षा 1 से 10$^{वीं}$ तक के 911 विद्यालय के छात्रों तथा मुंबई, कोयम्बटूर, पल्कड़, झांसी से 1485 महाविद्यालय के छात्रों ने क्रियाकलापों में प्रतिभाग किया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत वन अनुसंधान केन्द्र – कौशल विकास, छिंदवाड़ा ने जवाहर नवोदय विद्यालय, सिंगोड़ी, जिला छिंदवाड़ा के कक्षा 9वी तथा 10वीं के 161 छात्रों के लिए ''पर्यावरण जागरूकता तथा जैवविविधता संरक्षण'' पर प्रशिक्षण आयोजित किया। कक्षा के दौरान छात्रों को विद्यालय परिसर में उपलब्ध विभिन्न पादप विविधता जिसमें वृक्ष/शाक/बूटियां इत्यादि सम्मिलित थे, के बारे में अद्यतनीकृत किया गया।
- भारतीय वानिकी अनुसधान एवं शिक्षा परिषद् के ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने जवाहर नवोदय विद्यालय, कोहिमा, नागालैण्ड में दिनांक 4 दिसम्बर 2019 को वैज्ञानिक – छात्र संवाद कार्यक्रम आयोजित किया। संवाद कार्यक्रम के दौरान ''वन जैवविविधता तथा इसका संरक्षण'' विषय पर प्रस्तुतीकरण भी दिया गया।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, जसवंतपुरा (जालौड़) में दिनांक 27 दिसम्बर 2019 को व्याख्यान एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में, कक्षा 9$^{वीं}$ तथा 10$^{वीं}$ के छात्रों को ''वन एवं पर्यावरण'' विषय पर वार्ता प्रस्तुत की गई।
- ''प्रकृति'' कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित केन्द्रीय विद्यालयों ने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का शैक्षणिक दौरा किया –
  - 2 दिसम्बर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर–47, चण्डीगढ़ के 50 विद्यार्थी व उनके साथ आए 5 अध्यापक
  - 4 दिसम्बर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, 3 बी आर डी व सेक्टर–31, चण्डीगढ़ के 50 विद्यार्थी व उनके साथ आए 5 अध्यापक
  - 6 दिसम्बर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, सेक्टर–29, चण्डीगढ़ व केन्द्रीय विद्यालय, मोहाली के 50 विद्यार्थी व उनके साथ आए 5 अध्यापक
  - 9 दिसम्बर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय नं. 1, पटियाला, केन्द्रीय विद्यालय नं. 2, पटियाला, केन्द्रीय विद्यालय नं. 3, पटियाला, के 50 विद्यार्थी व उनके साथ आए 5 अध्यापक
  - 11 दिसम्बर 2019 को केन्द्रीय विद्यालय, हाई ग्राउंड, चण्डीगढ़ व केन्द्रीय विद्यालय, जीरकपुर के 50 विद्यार्थी व उनके साथ आए 5 अध्यापक

केन्द्रीय विद्यालय, भटिंडा के छात्र

केन्द्रीय विद्यालय, 3 बी.आर.डी. चण्डीगढ़ के छात्र

केन्द्रीय विद्यालय, S-29 चण्डीगढ़ के छात्र

वन विज्ञान केन्द्रों के अंतर्गत क्रियाकलाप

- वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत ''आजीविका सुधार हेतु कृषि वानिकी तथा काष्ठ प्रौद्योगिकी'' विषय पर कृषकों, राज्य वन विभाग के अग्रपंक्ति कर्मचारियों तथा एस.एफ.आर.आई., लाडोवाल, लुधियाना (पंजाब) के अन्य हितधारकों के लिए दिनांक 9 से 11 नवम्बर 2019 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया। पंजाब राज्य के विभिन्न भागों से कृषकों, वन कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों को सम्मिलित कर 47 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत वन प्रशिक्षण विद्यालय, मंत्रीपुखरी, इम्फाल में अगरकाष्ठ के कृत्रिम अभिप्रेरण, पार्किया मर्त्यता का प्रबंधन तथा बाँस प्रवर्धन, कृषि एवं प्रवर्धन पर दिनांक 6 दिसम्बर 2019 को प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 50 वन रक्षकों ने प्रतिभाग किया।
- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट ने वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत FEEDS, सेनापति, मणिपुर में अगरकाष्ठ के कृत्रिम अभिप्रेरण, पार्किया मर्त्यता का प्रबंधन तथा बाँस प्रवर्धन, कृषि एवं प्रवर्धन पर दिनांक 7 दिसम्बर 2019 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 16 वनपालों ने प्रतिभाग किया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

- वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां यथा पौधशाला प्रबंधन, बाँस कृषि, प्रवर्धन, बाँस परिरक्षण एवं मूल्य वर्धन तकनीकियां, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, वनस्पति उद्यान का प्रबंधन, वन्य खाद्य मशरूम का अभिज्ञान, उत्तर–पूर्व क्षेत्र के बागानों का संरक्षण तथा कृमि खाद निर्माण की तकनीकियों इत्यादि पर 5 एवं 18 दिसम्बर 2019 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। ए.ए.यू., जोरहाट के B.Sc (उद्यान) के 23 छात्रों तथा फॉरेस्ट गार्ड स्कूल, मकुम ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने गॉस्नेर कॉलेज, राँची के छात्रों एवं शिक्षकों के लिए बहिमुखीकरण दौरा आयोजित किया, जिन्हें दिनांक 13 दिसम्बर 2019 को विभिन्न अनुसंधान क्रियाकलाप प्रदर्शित किए गए। कार्यक्रम में 77 छात्रों एवं शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

राजभाषा समाचार

- काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू ने अनुसचिवीय कर्मचारियों के लिए दिनांक 13 दिसम्बर 2019 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया।

विविध

संस्थान	विशेष दिन/विषयवस्तु	समयावधि
व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	विश्व मृदा दिवस 2019	5 दिसम्बर 2019
	अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस 2019	11 दिसम्बर 2019

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने विश्व मृदा दिवस 2019 मनाया

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर ने अंतरराष्ट्रीय पर्वत दिवस 2019 मनाया

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति/स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
डॉ. हरीश कुमार, वैज्ञानिक– 'ई', व.अ.सं., देहरादून	2.12.2019
श्री पी.के. दास, वैज्ञानिक – 'डी', व.उ.सं., राँची	31.12.2019

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः
श्रीमती कंचन देवी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्षा
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक
श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

प्रत्याख्यान
- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।